श्रावण मास, कृष्ण पक्ष 20 वर्ष, अंक 195, पृष्ठ 4 मूल्य 1.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

संध्या कालीन नगर संस्करण प्रयागराज शुक्रवार 09 जुलाई 2021

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसांधन संस्थान की एक अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

स्थायी सुख, शान्ति व निर्भय वातावरण के लिए "क्रियायोग अभ्यास करें" सत्य की अनुभूति में सभी प्रकार के क्लेश हमेशा के लिए दूर हो जाते हैं। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध कर दिया है कि क्रियायोग के द्वारा हम सत्य से जुड़ जाते हैं। ज्ञान, शक्ति, शान्ति, आनन्द, नाम-यश, धन आदि के लिए मनुष्य को दर-दर भटकना पड़ता है, और प्राप्त न होने पर मनुष्य में हिंसक प्रवृत्ति प्रकट होती है। क्रियायोग में भक्ति दृढ़ होने पर ज्ञान, शक्ति, शान्ति,आनन्द, धन आदि सब कुछ स्वयं मनुष्य के पास आ जाते हैं।

क्रियायोग प्राचीनतम् एवं नित्य नवीन पूर्ण विज्ञान है। ईश्वरीय नियमों के अनुसार कलिकाल में क्रियायोग का ज्ञान विलुप्त हो गया। आरोही द्वापर युग के आते ही मृत्युंजय अमर गुरु श्री महावतार बाबा जी द्वारा क्रियायोग को पुनर्जीवित कर पुनः परिष्कृत किया गया। उन्नीसवीं शताब्दी में महावतार बाबाजी ने क्रियायोग को लाहिड़ी महाशय जी के माध्यम से मानवजाति को दिया। क्रियायोग ही सनातन धर्म में वर्णित यज्ञ है। क्रियायोग ही वेदपाठ है। क्रियायोग अभ्यास से मनुष्य को अपने वास्तविक स्वरूप ''अहंब्रह्मास्मि'' की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

स्वामी श्री योगी सत्यम्
क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान
प्रयागराज
10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

ब्लाक प्रमुख चुनाव

सपा-भाजपा समर्थकों के बीच फायरिंग, खीरी में महिला नेता से सरेआम बदसलूकी

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में जिला पंचायत अध्यक्ष के बाद अब ब्लॉक प्रमुख के चुनावों को लेकर सियासी सरगर्मियां तेज हैं। गुरुवार को प्रदेश के अलग-अलग जिलों से चुनाव को लेकर भाजपा और सपा समर्थकों के बीच बवाल, मारपीट, तोड़फोड़, पर्चा फाड़े जाने और यहां तक की फायरिंग की खबरें आ रही हैं। सीतापुर, फतेहपुर, बस्ती, गोरखपुर, देवरिया, श्रावस्ती, अंबेडकरनगर सहित कई जिलों से ऐसी खबरें आई हैं। लखीमपुर खीरी में तो एक महिला नेता के साथ सड़क पर बदसलूकी करते हुए उन्हें जबरन रोक दिया गया। इन अलग-अलग घटनाओं में कई लोगों के घायल होने की खबर है। गौरतलब है कि ब्लॉक प्रमुख चुनाव के लिए गुरुवार को यूपी के 75 जिलों के 825 ब्लॉक में पूर्वान्ह 11 बजे से शाम तीन बजे तक नामांकन और फिर नामांकन पत्रों की जांच होनी थी। सीतापुर में नामांकन करने जा रहे एक प्रत्याशी को पर्चा नहीं मिलने के आरोप को लेकर दो पक्ष आपस

में भिड़ गए। इसके बाद फायरिंग की गई। इस घटना में कुल तीन लोग घायल बताए जा रहे हैं। इनकी हालत देखते हुए डॉक्टरों ने लखनऊ के लिए रेफर कर दिया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सीतापुर में पूरी वारदात पुलिस के सामने ही हुई। मारपीट के दौरान कमलापुर ब्लॉक में भगदड़ की स्थिति आ गई। एक बीडीसी सदस्य के गुस्साए समर्थकों ने एनएच-24 पर जाम लगा दिया है। लखीमपुर खीरी में ब्लॉक प्रमुख नामांकन के दौरान एक महिला नेता के साथ सड़क पर सरेआम बदसलूकी हुई। उन्हें ब्लॉक में जाने से जबरन रोक दिया गया। वहां पसगवां ब्लॉक में जमकर बवाल हुआ। आरोप है कि सपा प्रत्याशी रीतू सिंह का नामांकन भाजपा समर्थकों ने नहीं होने दिया। ब्लॉक में दाखिल हो रहीं प्रत्याशी की प्रस्तावक अनीता को कुछ लोगों ने सड़क पर घेर लिया। उनके साथ मारपीट की गई। इसके बाद सपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष क्रांति कुमार सिंह को गेट से खींच लिया गया। उनको बंधक बनाने की कोशिश का आरोप भी सपा द्वारा लगाया जा रहा है। बताया जा रहा है कि इस दौरान भाजपा समर्थकों का घेरा तोड़कर सपा प्रत्याशी ब्लॉक के अंदर चली गईं। वहां उन्होंने आरओ के सामने पर्चा भरकर दिया। सपा का आरोप है कि अंदर घुसे भाजपा समर्थकों ने आरओ के सामने से पर्चा छीनकर फाड़ दिया। प्रत्याशी को पीटा भी। मारपीट, धक्का-मुक्की में उनके कपड़े फट गए।

कोरोना महामारी के बीच अब देश में जीका वायरस ने दी दस्तक, केरल में मिले 13 केस

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। कोरोना वायरस महामारी के बीच देश में अब जीका वायरस ने भी दस्तक दे दी है। केरल में गुरुवार को जीका वायरस के 13 केस पाए गए। तिरुवनंतपुरम से लिए गए सैंपल्स को जांच के लिए नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी पुणे भेजा गया था, जहां जांच में इनकी पुष्टि हुई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, जीका वायरस एडीज मच्छरों के काटने से फैलता है जोकि दिन के समय सक्रिय होते हैं। यह पहली बार 1947 में युगांडा के बंदरों में पाया गया था।

इसके बाद 1952 में युगांडा और तंजानिया में मानवों में पाया गया था। जीका वायरस की मौजूदगी एशिया, अफ्रीका, अमेरिका पैसिफिक आइलैंड में पाई जा चुकी है। जीका वायरस का इन्क्यूबेशन पीरियड (लक्षण दिखने में लगने वाला समय) 3 से 14 दिनों का होता है और अधिकतर लोगों में कोई वास्तविक लक्षण नहीं दिखता है। कुछ लोगों में बुखार, चकत्ते, सिरदर्द,

मांशपेशियों और जोड़ों में दर्द की शिकायतें आती है। जीका वायरस गुलियन बैरी सिड्रोम पैदा करने के लिए भी जाना जाता है। यह नवजात बच्चों में पैदाइशी असामान्यता भी पैदा करता है।कोरोना वायरस महामारी के बीच देश में अब जीका वायरस ने भी दस्तक दे दी है। केरल में गुरुवार को जीका वायरस के 13 केस पाए गए। तिरुवनंतपुरम से लिए गए सैंपल्स को जांच के लिए नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी पुणे भेजा गया था, जहां जांच में इनकी पुष्टि हुई है।

यूपी : आबादी घटाने को नई जनसंख्या नीति लाने जा रही है योगी सरकार, लोकभवन में सीएम ने पेश किया मसौदा

लखनऊ (एजेंसी)। योगी सरकार नई जनसंख्या नीति-2021-30 लाने जा रही है। इसके तहत यूपी में नवजात मृत्यु दर, मातृ मृत्यु दर को और कम करने की कोशिश होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद इस नीति को जनसंख्या दिवस पर 11 जुलाई को जारी करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ समुदाय में भी जनसंख्या को लेकर जागरूकता का अभाव है। ऐसे में समुदाय केंद्रित जागरूकता के प्रयास की जरूरत है। मुख्यमंत्री के सामने गुरुवार को लोकभवन में जनसंख्या नीति का मसौदा पेश किया गया। नीति के तहत वर्ष 2021-30 की अवधि के लिए परिवार नियोजन कार्यक्रम के अंतर्गत जारी गर्भ निरोधक उपायों की सुलभता को बढ़ाया जाएगा। सुरक्षित गर्भपात की समुचित व्यवस्था होगी। उनन्त स्वास्थ्य सुविधाओं के माध्यम से नवजात व मातृ मृत्यु दर को कम करने और नपुंसकता/बांझपन की समस्या के सुलभ समाधान उपलब्ध कराते हुए जनसंख्या स्थिरीकरण

के प्रयास भी किए जाएंगे। नवीन नीति में एक अहम प्रस्ताव 11 से 19 वर्ष के किशोरों के पोषण, शिक्षा और स्वास्थ्य के बेहतर प्रबंधन के अलावा, बुजुर्गों की देखभाल के लिए व्यापक व्यवस्था करना भी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आबादी विस्तार के लिए गरीबी और अशिक्षा बड़ा कारक है। प्रदेश की निवर्तमान जनसंख्या नीति 2000-16 की अवधि समाप्त हो चुकी है। अब नई नीति समय की मांग है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनसंख्या स्थिरीकरण के लिए जागरूकता और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ-साथ सभी जरूरी प्रयास किए जाएं। जागरूकता प्रयासों के क्रम में उन्होंने स्कूलों में हेल्थ क्लब बनाए जाने के निर्देश भी दिए। साथ ही डिजिटल हेल्थ मिशन की भावनाओं के अनुरूप नवजातों, किशोरों और वृद्धजनों की डिजिटल ट्रैकिंग की व्यवस्था करने को भी कहा है। उन्होंने कहा कि नई नीति तैयार करते हुए सभी समुदायों में जनसांख्यकीय संतुलन बनाये रखने का प्रयास होना चाहिए। अपर मुख्य सचिव चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, अमित मोहन प्रसाद ने मुख्यमंत्री को बताया कि प्रस्तावित जनसंख्या नीति प्रदेश में एनएफएचएस-04 सहित अनेक रिपोर्ट के अध्ययन के उपरांत तैयार की जा रही है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण- 5 की रिपोर्ट जल्द ही जारी होने वाली है। नवीन नीति जनसंख्या स्थिरीकरण के प्रयासों को तेज करने वाली होगी। इसमें 2026 और 2030 तक के लिए दो चरणों में अलग-अलग मानकों पर केंद्रित लक्ष्य निर्धारित किये गए हैं।

अखिलेश का यूपी की कानून व्यवस्था पर सवाल, बोले- बीजेपी ने बंधक बना लिया

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बंधक बना लिया और ब्लाक प्रमुख चुनाव में नामांकन के दौरान इनके नेता व कार्यकताओं द्वारा अराजकता और हिंसा किया जाना लोकतंत्र का उपहास है।

अखिलेश यादव ने कहा कि सत्ताधारी भाजपा के लोग सरेआम लोकतंत्र का गला घोंट रहे हैं और पुलिस प्रशासन लोकतंत्र की हत्या के समय मूकदर्शक बन तमाशा

देखती रही। उन्होंने सिद्धार्थनगर के इटवा ब्लाक में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष माता प्रसाद पाण्डेय के साथ दुर्व्यवहार और उनकी गाड़ी को तोडा जाना निंदनीय है।

इसी तरह हरदोई के साण्डी ब्लाक में समाजवादी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ0 राजपाल कश्यप का पर्चा फाड़ दिया गया। उन्होंने कहा कि सम्भल, बस्ती का गौर, झांसी के बड़ागांव ब्लाक, सीतापुर में कसमण्डा ब्लाक, कानपुर के बिल्हौर और शिवराजपुर, बुलन्दशहर, ललितपुर, उनन्व, गाजीपुर, गोरखपुर, महराजगंज के सिसवा, परतावल, पनियरा, सदर, देवरिया के भटनी, चित्रकूट के मानिकपुर और कर्वी, एटा के मारहरा में ब्लाक प्रमुख पद के लिए समाजवादी पार्टी समर्थित प्रत्याशियों के नामांकन में भाजपाइयों ने अवरोध पैदा किया।

कैबिनेट विस्तार के बाद पहली बैठक के बड़े फैसले

कोरोना से लड़ाई के लिए 23100 करोड़ के इमरजेंसी हेल्थ पैकेज का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। कैबिनेट विस्तार के बाद पहली बैठक के बड़े मनसुख मंडाविया ने कहा कि हमें सामूहिक रूप से कोविड से लड़ना है। भविष्य में कोविड से कैसे निपटे उसके लिए 23 हज़ार करोड़ रुपए का पैकेज लाया जाएगा। केंद्र सरकार 15,000 करोड़ रुपए देगी और राज्य सरकारें 8,000 करोड़ रुपए देगी। 736 जिलों में पीडिएट्रिक यूनिट बनाए जाएंगे। 20,000 घ्ळ बेड तैयार किए

जाएंगे।बड़े कैबिनेट विस्तार के बाद आज केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक वर्चुअल फॉर्मेट में हुई। इस बैठक में कृषि और स्वास्थ्य क्षेत्रों समेत कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए है। कोरोना की दूसरी लहर में हुई समस्याओं से निपटने के लिए 23,000 करोड़ रुपये का पैकेज दिया जाएगा। इसका उपयोग केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा संयुक्त रूप से किया जाएगा। इसके अलावा, एक लाख करोड़ रुपये मंडी के जरिए से किसानों तक पहुंचाया जाएगा। बैठक खत्म होने के बाद मीडिया से बातचीत में अनुराग ठाकुर, नरेंद्र तोमर और मनसुख मंडाविया ने ये जानकारी दी।केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया कहा कि आज कैबिनेट बैठक में स्वास्थ्य के संदर्भ में महत्वपूर्ण फ़ैसला किया गया। अप्रैल 2020 में कोविड के लिए पहले पैकेज में 15 हज़ार करोड़ रुपए दिए गए। कोविड अस्पताल 163 से बढ़कर 4,389 हो गए। ऑक्सीजन बेडों को 50,000 से बढ़ाकर 4,17,396 कर दिए गए। इलके साथ ही कोरोना की दूसरी लहर में हुई समस्याओं से निपटने के लिए 23,000 करोड़ रुपये का पैकेज दिया जाएगा।

शंकरगढ़ में सपा और भाजपा के बीच सीधा मुकाबला

भाजपा प्रत्याशी ने तीन सेट जबकि सपा प्रत्याशी ने दो सेटों में दाखिल किया पर्चा

भाजपा से निर्मला देवी और सपा से गुलाब कली ने किया नामांकन

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़/प्रयागराज। विकास खंड शंकरगढ़ में क्षेत्र पंचायत प्रमुख के दावेदारों की स्थिति नामांकन के बाद साफ हो गई है। नामांकन के लिए निर्धारित समय सीमा तीन बजे तक सिर्फ दो प्रत्याशियों ने नामांकन किया, जिसमें भाजपा प्रत्याशी निर्मला देवी ने तीन सेटों और सपा प्रत्याशी गुलाब कली ने दो सेटों में पर्चा भरा। नामांकन के लिए ब्लॉक मुख्यालय पर सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए थे। इस दौरान वीडियोग्राफी भी कराई गई। नामांकन को लेकर ब्लॉक मुख्यालय शंकरगढ़ पर दिनभर गहमागहमी बनी रही। विकास खंड शंकरगढ़ में कुल क्षेत्र पंचायत सदस्यों की संख्या 85 है। यहां से सत्ताधारी भाजपा ने निर्मला देवी को और सपा ने गुलाब कली को अपना अधिकृत प्रत्याशी बनाया है। पूर्वाहन 11:30 बजे सपा प्रत्याशी गुलाब कली ने अनुमोदक और प्रस्तावक के साथ 2 सेटों में नामांकन दाखिल किया। इसके बाद तकरीबन 2 बजे भाजपा प्रत्याशी निर्मला देवी ने भी दमदार दावेदारी दर्ज कराई। नामांकन को लेकर आरओ आर के वर्मा ने बताया कि नामांकन के लिए निर्धारित समय सीमा के भीतर सिर्फ दो प्रत्याशियों ने पर्चा भरा। नामांकन पत्रों की जांच की जा रही है। शुक्रवार को नाम वापसी की जाएगी इसके बाद 10 जुलाई को मतदान और मतगणना होगी। मतदान और मतगणना की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं।

एसओ कुलदीप कुमार तिवारी ने बताया कि नामांकन सकुशल निपट गया है। मतदान और मतगणना के लिए सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए हैं। मतगणना के बाद जुलाई जुलूस निकालने पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा है। सभी प्रत्याशी राज्य निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन के दायरे में रहकर चुनाव प्रक्रिया को पूर्ण कराने में सहयोग प्रदान करें। साथ ही कोविड गाइड लाइन का भी पालन करें।

क्षेत्र पंचायत चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने पूरी तरह से कमर कस ली है। नामांकन के लिए गुरुवार को सांसद डॉ रीता बहुगुणा जोशी, जिलाध्यक्ष विभवनाथ भारतीय,बारा विधायक डॉ अजय कुमार, पूर्व विधायक दीपक पटेल,सांसद प्रभारी संत प्रसाद पांडेय, कुंवर दिनेश सिंह, चेयरमैन लल्लू कनौजिया, सांसद मीडिया प्रभारी विजय पटेल, प्रधान शैलेंद्र सिंह, अरुण सिंह, चंद्रिका पटेल संजीव कुमार मिश्रा, मंडल अध्यक्ष अंजनी लाल, विजय शंकर शुक्ल, महेंद्र शुक्ला, अखिलेश सिंह, बृजेश सिंह, अनूप केसरवानी, शिवेंद्र सिंह, शारदा तिवारी, दिलीप कुमार चतुर्वेदी, मसूरिया दीन वर्मा,प्रधान प्रदीप कुमार मिश्र, प्रधान संतोष सिंह, सुधाकर सिंह,पार्षद युवराज सिंह,सतीश विश्वकर्मा ,विकास चन्द्र शुक्ल,मसुरिया दीन वर्मा,धर्मराज पाल,सुभाष सिंह पटेल,कुशल जैन,कुलदीप पाठक, पुष्पराज सिंह,मोहन यादव,जीतेन्द्र शुक्ला आदि लोग मौजूद रहे। इसी तरह यमुनापार के विकासखंड जसरा,चाका,कौंधियारा आदि स्थानों में भी नामांकन शांति पूर्ण हुआ।

पूरे जिले में भाजपा की जीत सुनिश्चित : सांसद

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़। सांसद प्रो. डॉ रीता बहुगुणा जोशी ने कहा कि शंकरगढ़ सहित पूरे जिले में भाजपा प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित है।

बारा विधायक डा अजय कुमार ने कहा योगी, मोदी के विकास के साथ जनता खड़ी है। जिलाध्यक्ष विभव नाथ भारती ने कहा पार्टी ने दलितों के सबसे पीछे पायदान में खड़ी महिला को टिकट देकर पं. दीनदयाल के सपनों को साकार कर रही है। पूर्व विधायक दीपक पटेल ने एतिहासिक जीत का दावा किया है।

जसरा में शांतिपूर्ण तरीके से हुआ नामांकन

अखंड भारत संदेश

जसरा/प्रयागराज। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार क्षेत्र पंचायत के प्रमुख पद के लिए गुरुवार को नामांकन सुबह ग्यारह बजे से शुरू किया गया। निर्वाचन अधिकारी/ डीपीओ मनोज कुमार राव ने बताया कि दो प्रत्याशियों द्वारा चार सेट में नामांकन किया गया है।

सबेरे 11 बजे से नामांकन करने के लिए आर और एआरओ नामांकन कक्ष में पहुंच गए। सबसे पहले समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी अजीत सिंह उर्फ पप्पू सिंह ने नामांकन किया। इसके बाद भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी चन्द्र प्रकाश त्रिपाठी ने नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन को देखते हुए पूरा जसरा ब्लॉक पुलिस बल के कारण छावनी में तब्दील रहा। थानाध्यक्ष घूरपुर राजेश उपाध्याय भीड़ को नियंत्रित करते रहे।

1- दो प्रत्याशी, नामांकन चार

जसरा में ब्लॉक प्रमुख के दो प्रत्याशियों ने चार सेट पर्चा दाखिल किया। बता दें कि दो प्रत्याशियों ने दो अलग अलग नामांकन किया। जिससे नामांकन चार हो गये।

2- डीएम व एसएसपी ने किया दौरा

नामांकन के समय जिलाधिकारी प्रयागराज संजय कुमार खत्री व एसएसपी सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी ने जसरा ब्लॉक पहुंच कर निर्वाचन अधिकारी को शान्ति पूर्ण नामांकन कराने को कहा।

3- सांसद व विधायक रहे मौजूद

जसरा ब्लॉक में प्रमुख पद के नामांकन को लेकर प्रयागराज की सांसद डा0रीता बहुगुणा जोशी, भाजपा जिलाध्यक्ष विभव नाथ भारती व विधायक बारा डा0अजय कुमार भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में मौजूद रहे।

करछना ब्लाक प्रमुख पद के लिए सरोज और सावित्री दो महिलाओं ने किया नामांकन

सपा से सरोज द्विवेदी व भाजपा से सावित्री यादव ने दाखिल किए पर्चे

अखंड भारत संदेश

करछना। गुरुवार को ब्लाक प्रमुख करछना पद के लिए दो महिला प्रत्याशियों में सपा और भाजपा समर्थित दो महिलाओं ने अपना नामांकन दाखिल किया।

भाजपा समर्थित सावित्री यादव पतने बाबा यादव और सपा समर्थित सरोज द्विवेदी पतने कमलेश द्विवेदी के बीच मुकाबला होगा ।सपा प्रत्याशी ने चार सेट और भाजपा प्रत्याशी ने दो सेट फार्म में नामांकन दाखिल किया है ।वहीं अपनी जीत की उम्मीदवारी करते हुए सपा समर्थित सरोज द्विवेदी के साथ बड़ी संख्या में सपा समर्थकों का ब्लाक मुख्यालय पर जन समर्थन का हुजूम देखने को मिला नामांकन के दौरान उनके जन समर्थन में पूर्व ब्लाक प्रमुख विजय राज सिंह उर्फ राजू सिंह, तहसील करछना के बारएसोशियेसन के महा मंत्री हंसराज सिंह सहित बड़ी संख्या में सपा समर्थक मौजूद रहे,

वही भाजपा प्रत्याशी के साथ में भी लोगों का हुजूम देखने को मिला, नामांकन के दौरान ब्लाक परिसर पुलिस छावनी में तब्दील रहा, जिससे एसडीएम करछना, सहित संक्षम अधिकारी मौजूद रहे ।

दो सशक्त उम्मीदवारों की लड़ाई में भाजपा दिखी विवस

अखंड भारत संदेश

हनुमानगंज । वैसे तो भारतीय जनता पार्टी ने जनपद के सभी ब्लाकों मे प्रमुख पद के लिए उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी। लेकिन बहादुरपुर से दो कद्दावर उम्मीदवारों के आगे पार्टी भी विवस होगई। पार्टी द्वारा जारी की गयी गंगापार के प्रत्याशियों की सूची मे बहादुरपुर को रिक्त रखा गया। वैसे तो उक्त ब्लाक मे प्रमुख पद के चुनाव मे कुल चार उम्मीदवारों ने नामांकन किया है। ए आरो बेसिक शिक्षाधिकारी प्रयागराज संजय कुस्वाहा। ने बताया कि कुल चार प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र दाखिल किया है।बतादें कि सबसे पहले पवन द्विवेदी ने शांतिपूर्ण ढंग से पर्चा दाखिल किया वहीं सपा से अंगद यादव तथा निवर्तमान प्रमुख अरुणेन्द्र यादव उर्फ डब्बू के साथ भाजपा के गंगापार अध्यक्ष अश्वनी द्विवेदी,जिला महामंत्री जीतलाल तिवारी, अमरनाथ तिवारी पूर्व जिलाध्यक्ष ,आत्माधर दुबे सहित भाजपा के सैकडो॰ कार्यकर्ताओं के साथ पहुँचे और नामांकन किया।तथा उनके भाई चन्द्रजीत यादव ने भी नामांकन किया है।

वहीं गंगापार जिला अध्यक्ष अश्वनी कुमार ने मीडिया कर्मियों से बातचीत के दौरान कहा कि पार्टी द्वारा बनाई गयी सूची में बहादुरपुर को रिक्त रखागया हैंजिसकी पूर्ती के लिए भाजपा के सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ता अरुणेन्द्र यादव के साथ हैं।

ब्लाक बहादुरपुर मे सन,2015 के प्रमुखी चुनाव मे हिलगया था पूरा प्रदेश। चुनाव परिणाम आनेपर पुलिस प्रसाशन पर हुआ था पथराव फायरिंग मे एक युवक की गयी थी जान। फूकी गयी थी कई गाड़ियां। जिसमे कई पुलिस कर्मी भी हुए थे जख्मी। दो पक्षों तथा पुलिस की तहरीर पे करीब सैकडों लोगों के खिलाफ संगीन धाराओं मे लिखा गया था मुकदमा।

ब्लॉक प्रमुख के चुनाव में ब्लॉक हड़िया में तीन प्रत्याशियों ने किया नामांकन

अखंड भारत संदेश

हंडिया। ब्लॉक प्रमुख पद के चुनाव की तारीख की घोषणा के बाद गुरुवार को नामांकन की प्रक्रिया शुरू की गई जो 11 बजे से 3 बजे तक चली। इसी के अंतर्गत ब्लॉक हड़िया में भारतीय जनता पार्टी के ब्लॉक प्रमुख प्रत्याशी मस्तान सिंह ने नामांकन पर्चा दाखिल किया। वही समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी हरिश्चंद्र यादव ने अपना नामांकन पर्चा दाखिल किया। निर्दल के रूप में महेंद्र प्रताप सिंह उर्फ मुनन ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। तीनों ही प्रत्याशियों ने अपनी अपनी जीत की बात कही।

सुरक्षा के कड़े इंतेजाम किये गए थे।नामांकन स्थल से 200 मीटर की दूरी पर लोगो की भीड़ को रोक दिया गया। नामांकन स्थल पर नामांकन प्रक्रिया के सुबह लगभह 10.30 बजे से 3 बजे तक चला। सड़क पर पार्टी के समर्थक जिन्दाबाद का नारा लगाते हुए पहुंचे। सुरक्षा व्यवस्था में क्षेत्राधिकारी हड़िया संतोष कुमार सिंह, के कुशल निर्देशन में इंस्पेक्टर हड़िया ब्रजेश सिंह , चालक रमेश मिश्रा सहित भारी संख्या में पुलिस बल चप्पे चप्पे पर तैनात रहा।

विकासखंड सहसों में 3 प्रत्याशियों ने किया नामांकन

अखंड भारत संदेश

सहसों। नवसृजित विकासखंड सहसों में भाजपा प्रत्याशी समेत 3 प्रत्याशियों ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किए। इस मौके पर निर्वाचन अधिकारी संजय सिंह के अनुसार चार लोगों द्वारा नाम निर्देशन पत्र खरीदे गए थे।

परंतु गुरुवार को तीन प्रत्याशियों ने अपने अपने पर्चे दाखिल किए पर्चे दाखिल करने वालों में भाजपा समर्थित प्रत्याशी गीता सिंह, समाजवादी पार्टी समर्थित प्रत्याशी शुभी यादव तथा स्वतंत्र प्रत्याशी मसूरिया यादव ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि नामांकन पत्रों की जांच कर ली गई है सभी नामांकन पत्र वैध पाए गए हैं। इस मौके पर नामांकन पत्र दाखिल करते समय क्षेत्रीय विधायक भाजपा प्रवीण पटेल, पूर्व जिला उपाध्यक्ष भाजपा गंगापुर अमरनाथ तिवारी एवं समाजसेवी शिव नारायण सिंह गप्पू सहित भारी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी तथा अन्य लोग शामिल रहे।

सांसद ने ब्यापारी के परिजन को बधांया ढाढ़स

अखंड भारत संदेश

जसरा/प्रयागराज। जसरा बाजार के कोयला व्यवसायी के निधन के बाद प्रयागराज की सांसद ने घर पहुंच कर परिजनों से शोक संवेदना प्रकट किया। जसरा बाजार के कोयला व्यवसायी तथा बहुगुणा परिवार के नजदीकी संबंध रखने वाले परमानंद जायसवाल की गत दिनों निधन हो गया था। गुरुवार को उनके आवास पर पहुंच कर सांसद डॉ0रीता बहुगुणा जोशी ने परिजनों से शोक व्यक्त किया तथा परमानंद की मृत्यु को अपना एक अपूरणीयपरिवारिक क्षति बताया । इस मौके पर प्रमुख रूप से संत प्रसाद पांडे , अभिषेक शुक्ला , आनंद जायसवाल , सचिन श्रीवास्तव, अनिल मिश्रा , बच्चा मालवीय, प्रधान आशीष सोनकर , राम केसरवानी , शत्रुघन लाल केशरवानी बाबा , विकास जायसवाल, गौरव जायसवाल ,इसरार अहमद सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

हिन्दी सिने जगत को उंचाई देने वाले कलाकार दिलीप कुमार के निधन पर दी श्रद्दाँजलि

अखंड भारत संदेश

करछना। हिन्दी सिनेमा जगत में दिलीप कुमार अपनी मनमोहक अदाकारी के साथ कई दशको लोगों के दिलों पर छाये रहे।अपनी एक अलग पहचान बनाने वाले अभिनेता से आज के दौर के युवा कलाकारों द्वारा किरदार संवारने के लिए सीख लेने की जरूरत है।लोक मंगल संस्थान रामपुर में गुरुवार को दिलीप कुमार के निधन पर आयोजित श्रद्धांजलिसभा में यह बातें हास्य कवि अशोक बेशरम ने कही।उन्होने कई फिल्मों में ग्रामीण परिवेश में व्याप्त हकीकत को संजीदगी के साथ पर्दे पर जिया और यह उनकी निजी जिंदगी में शुमार था।वरिष्ठ गीतकार राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि पर्दे पर मुगले आजम और गोपी जैसी फिल्मों में उनका किरदार आज भी करोड़ो लोगों के दिलों में रचा बसा है।अपने अभिनय से हिन्दी सिने जगत को ऊचाई देने वाले महान कलाकार के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उन्हे श्रद्धांजलि दी गई।इस मौके पर राम लोचन सांवरियां, तनहा,सबरेज अहमद आदि कवि,कलाकार मौजूद रहे।

बढ़ती महंगाई के विरोध में खाली गैस सिलेंडर रख किया विरोध प्रदर्शन

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर गुरुवार के दिन अखिल भारतीय किसान मजदूर सभा प्रयागराज के बैनर तले बढ़ती मंहगाई को लेकर घूरपुर के बीकर मे खाली गैस सिलेंडर लेकर लाल सलाम कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन करते हुए सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

इस बीच वक्ताओं ने सरकार पर हमला करते हुए कहा कि मोदी सरकार डीजल, पेट्रोल तथा रसोई गैस के दाम मे वृध्दि कर अपने ही जनता पर लगातार मंहगाई का बोझ बढा॰ रही है , जिससे देश के मेहनतकश मजदूर आम आदमी का जीना लगातार दूभर होता जा रहा है। आगे कहा कि मार्च और मई 2020 के बीच केंद्र सरकार ने केंद्रीय एक्साइज ड्यूटी को पेट्रोल पर रु/ 13 और डीजल पर रु/16 प्रति लीटर की दर से बढा॰या था,जो अब तक की सबसे अधिक वृध्दि है। हम जो दाम देते हैं उसका 65 फीसदी हिस्सा सरकारी टैक्स है। इससे सभी वस्तुओं के दाम बढ़ते हैं।

21 जून 2021 को भारत सरकार ने पेट्रोल के दाम रु/ 99.89, प्रति लीटर थे, जबकि पाकिस्तान मे यह रु0/ 52.21,श्रीलंका मे रु/68.64, नेपाल मे रु0/ 78.23, और बंग्लादेश मे रु0/77,92 थे।

इसकी तुलना मे एयर टरबाइन फ्यूल यानि हवाई जहाज का ईंधन केवल रु0/61.30 प्रति लीटर था।

इसी तरह 28 जून 2021 को भारत मे डीजल के दाम रु0/99.30 जबकि पाकिस्तान मे रु0/ 53.06,श्रीलंका मे रु0/ 41.58, नेपाल मे रु0/ 69, और बंग्लादेश मे रु0/57.08,थे । खेती यातायात और परिवाहन मे डीजल ही मुख्य ईंधन है और इसके दाम बढ़ने का सबसे ज्यादा बोझ मेहनतकश मजदूर और किसान पर पड़ता है।

आकृति सागर ने अपने वक्तव्य मे कहा मोदी जी महिलाओं को गैस सिलेंडर देकर कहे थे कि चूल्हे मे लकडी॰ जलाने से अब महिलाओं का आंसू नही बहेगा, लेकिन मोदी जी 400 वाला गैस सब्सिडी के नाम फर 800 से 900 कर दिये जो आज सब्सिडी को समाप्त कर दिया गया, देश की मेहनतकश महिलांए पुनः चूल्हे मे लकडी॰ फूंक आंसू बहा रही है।सुरेश निषाद ने कहा जब से केंद्र व राज्य मे आरएसएस बीजेपी की सरकार आई है खास तौर से मजदूरों के जीने का साधन लगातार छीने जा रहे हैं, यूपी सरकार ने 24 जून 2019 को गलत आदेश लाकर नदी मे नाव से खनन पर प्रतिबंध लगा दिया,नदी को पूंजीपति व बड़े॰ माफिया के हवाले कर दिया जिससे लाखों लोग भुखमरी के कगार पर चले गये हैं। इस विरोध सभा मे विनोद निषाद, राममूरत, संजय, दीपचंद, राम आसरे, शंकर, विरेंद्र, कमलेश, कलावती, बिमला, किरन, बसंती देवी,गुलाब कली आदि ,कई दर्जन लोग मौजूद रहे।

नामांकन के दौरान डीएम और एस एस पी ने करछना ब्लाक का किया निरीक्षण

अखंड भारत संदेश

करछना। गुरुवार को ब्लाक प्रमुख पद के नामांकन के दौरान सुरक्षा ब्यवस्था का जायजा लेने करछना ब्लाक दोपहर को पहुचे जिला अधिकारी प्रयागराज संजय खत्री और उनके साथ एस एस पी सर्व श्रेष्ठ त्रिपाठी ने नामांकन का निरीक्षण किया, निरीक्षण के दौरान उन्होंन ब्लाक कमिर्यों से काम काज का जायजा लिया और फाइलों का अवलोकन भी किया, तथा दिशा निर्देश देते हुए कमिर्यों को हिदायत देते हुए कार्य में तेजी लाएं जाने का निर्देश दिया, वही नामांकन के दौरान पुलिस ब्यवस्था को लेकर एस एस पी ने पुलिस कमिर्यों को दिशा-निर्देश दिया, इस मौके पर उपजिलाअधिकारी करछना विनोद कुमार पाण्डेय, क्षेत्राधिकारी करछना, एसो करछना, खंड विकास अधिकारी सहित ब्लाक के कर्मी मौजूद रहे ।

दबंगों ने की पिटाई, मां पुत्र जख्मी, हेड कांस्टेबल ने की अभद्रता, दरोगा पर आरोप

बेटियों ने मां-बेटे की पिटाई पर रिपोर्ट न लिखने की वजह पूछा तो हेड कांस्टेबल ने कहा तुम्हारे बाप के नौकर हैं क्या? डांटकर भगाने पर हंगामा

अखंड भारत संदेश

नैनी। प्रयागराज पुलिस की संवेदनहीनता पीडि॰तों की उग्रता का वजह बनती जा रही है। पिछले 4 दिन से एग्रीकल्चर पुलिस चौकी और नैनी कोतवाली का चक्कर लगा रही महिलाओं की जब सुनवाई नहीं हुई तो महिलाएं उग्र हो गईं। वहां मौजूद हेड कांस्टेबल ने चौकी इंचार्ज अजय कुमार मिश्रा की मौजूदगी में महिलाओं को यह कह कर और उग्र कर दिया कि, तुम्हारे बाप के नौकर है क्या? यह सुनते ही महिलाओं का धैर्य जवाब दे गया और वह जोर-जोर से चिल्लाने लगी। हालांकि बाद में पहुंची महिला दरोगा ने उन लोगों को समझा-बुझाकर किसी तरह से शांत कराया और उनके शिकायती पत्र पर एफआईआर दर्ज करने का आश्वासन दिया।

महिला और भाई की पिटाई पर पुलिस ने नहीं की कार्रवाई

नैनी। नैनी कोतवाली अंतर्गत एग्रीकल्चर पुलिस चौकी क्षेत्र के डभाव की रहने वाली कंचन देवी पतने रघु प्रसाद के अनुसार 5 जुलाई को उसके साथ मोहल्ले के ही तीन लड़कों ने मारपीट की थी। उसे बेल्ट से मारा था, जिससे उसके कंधे पर गंभीर चोट आई थी। उस दिन उसने अपनी बेटी राधा के साथ एग्रीकल्चर पुलिस चौकी पर जाकर शिकायत की थी, लेकिन उसकी सुनवाई नहीं हुई थी। 7 जुलाई को उसके बेटे को उसके विरोधी जोगी, उसका बेटा विशाल और बेटी पिंकी समेत अन्य लोगों ने पीटा।

पौधरोपण कर पेड़ मे बदलने का लिया संकल्प

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। बेलसारा तालाब व पवंरी ग्राम सभा के गौशाला में वृक्षारोपण का कार्यक्रम किया गया बेलसारा में भारतीय जनता पार्टी के मंडल अध्यक्ष शिव प्रसाद केसरवानी के साथ अभियान प्रमुख अनीता सचान (सदस्य महिला आयोग)तथा महामंत्री लालचंद शुक्ल,प्रधान रंजू देवी सेक्रेटरी नील कृष्ण प्रजापति जेई.एम.आई. त्रिवेणी सोनी तथा ग्राम सभा के अन्य लोग उपस्थित रहे, वहीं ग्रामसभा पवंरी के गौशाला पर मंडल प्रभारी वेदेशदत्त पांडे जिला प्रतिनिधि राजमणि पासवान मंडल महामंत्री दिनेश प्रजापति वर्तमान प्रधान कौशलेश कुमारयादव ,पूर्व प्रधान हरिश्चंद्र ,अन्य सम्भ्रान्त लोगों में,ब्रह्मानंद यादव नरेंद्र कुमार यादव विजय शंकर पांडे ,गिरीश चंद्र बिंद, धनंजय यादव ,बुद्धिमान बिंद ,राजू आदि लोगों ने उपस्थित होकर वृक्षारोपण कार्यक्रम में अपनी महत्वपूर्ण सहभागिता दर्ज किया।

बार बेंच का सामंजस्य रखेंगे बरकरार : दिलीप कुमार

तहसील फूलपुर बार एसोसिएशन का चुनाव हुआ सम्पन्न

अखंड भारत संदेश

फूलपुर। कोरोना वैश्विक महामारी के बीच बार व बेंच के मध्य सामंजस्य की कमी के कारण अधिवक्ताओं के हितों में कार्य नहीं हो पा रहा। बार व बेंच में सामंजस्य बरकरार रखने का कार्य करूंगा। यह बातें तहसील फूलपुर बार एसोसिएशन के चुनाव में महामंत्री पद पर निर्वाचित हुए दिलीप कुमार आजाद ने गुरुवार को उपस्थित अधिवक्ताओं के बीच कही। मुख्य चुनाव अधिकारी राम अभिलाष यादव ने मतगणना के बाद नतीजे घोषित करते हुए अध्यक्ष पद पर अरविंद कुमार यादव व महामंत्री पद पर दिलीप आजाद को विजयी घोषित किया। अध्यक्ष पद पर पांच प्रत्यासियों में अरविंद कुमार यादव ने 154 मत पाकर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कामता प्रसाद गुप्ता को 59 मतों से पराजित किया वहीं उपाध्यक्ष पद पर तीन प्रत्यासियों में विजय कुमार यादव ने 246 मत पाकर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी देवदत्त शुक्ल को 169 मतों से पराजित किया। महामंत्री पद पर हुए चुनाव में पांच प्रत्यासियों में से दिलीप कुमार आजाद ने 105 मत पाकर विजयश्री अपने नाम किया। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी श्याम बाबू यादव को 13 मतों से शिकस्त दी। कोषाध्यक्ष पद पर अजय कुमार तिवारी,उप मंत्री राजेश कुमार पाल, आडिटर पद पर नसीम अख्तर, लाइब्रेरियन

अरविंद अध्यक्ष दिलीप आजाद बने महामंत्री

पद पर राजबहादुर सिंह निर्वाचित हुए। चुनाव नतीजे घोषित होते ही अधिवक्ताओं ने अध्यक्ष व महामंत्री सहित निर्वाचित बार एसोसिएशन के सभी पदाधिकारियों को माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया। मौके पर एडवोकेट बृजेश सिंह,शमीम अहमद तुफानी, एजाज़ अहमद,राजेश कुमार गौड़, कुलदीप गौतम,उदय सिंह अम्बेडकर,केतन यादव के साथ ही सहायक चुनाव अधिकारी सुभाष चन्द्र शुक्ल, सैयद अफसर,महेश कुमार यादव,राम अभिलाष पटेल, सत्यनारायण गौतम सहित सैकड़ों की संख्या में अधिवक्ता उपस्थित रहे।

शुआट्स केवीके द्वारा आनलाईन मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण आयोजित

अखंड भारत संदेश

नैनी/प्रयागराज। सैम हिग्गिनबॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा प्रयागराज और आसपास के जिलों के किसानों के लिए ऑनलाइन मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस प्रशिक्षण में 75 किसानों ने भाग लिया। इसका उद्देश्य उन्हें व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए मशरूम उगाने का गहन ज्ञान प्रदान करना था, जिससे वह न केवल अपने लिए बल्कि अपने समुदाय के कई अन्य सदस्यों के लिए आय के पर्याप्त अवसर पैदा करने में मदद कर सकें। प्रशिक्षण के दौरान किसानों को डॉ आर. पी. सिंह, वैज्ञानिक, बागवानी द्वारा मशरूम की खेती के विभिनन्तरीके सिखाए गए। मशरूम संवर्धन के बारीक विवरण को समझने में मदद करने के लिए प्रशिक्षण के दौरान 'उपज' के प्रबंधन के अनुभव भी कराया गया।

मुख्य अतिथि डॉ वीके सिंह, हेड, सी बी जी कॉलेज लखनऊ प्लांट पैथोलॉजी डिपार्टमेंट ने ऑस्टर मशरूम उत्पादन की तकनीक विधि बताई साथ.साथ में मशरूम उत्पादन के लिए कौन.कौन सा माध्यम उपयोग किया जा सकता है और सूक्ष्मजीव रहित करना क्यों आवश्यक है के बारे में विस्तृत जानकारी दी। श्रीमती निमिषा शेरिल नटराजन, ;वैज्ञानिक, गृह विज्ञान, ने किसानों को मशरूम को पोषक मूल्यों के बारे में सिखाया और बताया कि प्रोटीन के लिए मांसाहारी खाद्य उत्पादों के लिए एक व्यवहार्य प्रतिस्थापन कैसे है और इसे आहार की आदतों में कैसे विकसित किया जा सकता है जिससे लोगों को संतुलित आहार प्रदान किया जा सके और साथ ही मशहूर सेवन से विभिनन्रोगों से भी बचा जा सकता है उन्होंने किसानों को विभिनन्व्यंजन भी बनाना सिखाया जो मशरूम से तैयार किए जा सकते हैं।

कृषि विज्ञान केंद्र के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. सैमुअल डी मैकार्टी ने कहा कि बागवानी अभी भी बड़ी संख्या में किसानों द्वारा नहीं ली गई है। उन्होंने बताया कि मशरूम उत्पादन से किसान किस तरह अपनी आय को बढ़ा सकते हैं और लाभान्वित हो सकते हैं।

वैक्सीनेशन न होने पर ग्रामीणों का धरना प्रदर्शन

अखंड भारत संदेश

हनुमानगंज। बहादुरपुर ब्लाक के कोटवां गांव मे लोगों ने टीकाकरण न होनेपर गुरुवार को प्राथमिक विद्यालय के प्रांगण मे धरना प्रदर्शन कियागया । यह धरना करीब 2 घंटेतक चला बाद मे गांव के प्रधान संकर्षण सिंह ने एसडीएम फूलपुर युवराज सिंह तथा मुख्य चिकित्साधिकारी से फोनपर बात किया गया उनके आश्वासन पर धरना प्रदर्शन समाप्त कियागया।

बतादें कि सर्वाधिक आबादी वाले कोटवां गांव मे गत 6जुलाई को सीएचसी बनी की ओर से टीकाकरण के लिए तीन स्थानों पर कैंप लगाया गया था। जहां पहले ही दिन कुछ बिवाद के चलते टीका प्रभावित होगया था।बतादें कि वैक्सीनेशन के लिए लोगों की लम्बी कतार लगी थी। लोगों का आरोप है कि आधार सत्यापन कार्य मे लगे कमिऱ्यों द्वारा नंबर आगेपीछे करनेपर लोग भड़क उठे। उसीबात को लेकर स्वास्थ कमिऱ्यों से कुछ कहासुनी होगयी जिसपर दूसरे दिन वैक्सीनेशन कैंप रद्द कर दियागया। जिससे गांव के एक तिहाई लोगों का भी टीकाकरण नहीं होसका। इस बाबत गुरुवार दोपहर गांव के प्रधान समेत कई लोगों ने पूर्व मा,वि,विद्यालय मे पहुँचकर लोगों ने धरना प्रदर्शन किया। प्रधान ने इसकी लीखित सिकायत मुख्य चिकित्साधिकारी से की है आरोप लगाया है कि यह लापरवाही सीएचसी बनी के अधीक्षक डा,अमृतलाल यादव की है।

पड़ोसियों ने महिला को घर में बंद करके पीटा, घायल

ससुर के साथ थाने गई तो पुलिस वालों ने भी नहीं सुनी...घायल महिला थाने के गेट पर गिरकर बेहोश हो गई

अखंड भारत संदेश

नैनी। यूपी के प्रयागराज जिले के नैनी कोतवाली पुलिस की चौखट पर न्याय की आस लेकर पहुंची एक घायल महिला कोतवाली के गेट पर पहुंचते पहुंचते गिरकर बेहोश हो गई। फटे सिर से बह रहे खून और गेट पर बेहोश पड़ी महिला का बूढ़ा ससुर कभी भागकर थाने के अंदर जा रहा था तो कभी बाहर आ रहा था, लेकिन पुलिस वालों ने उसकी शिकायत सुनने की जरूरत तक नहीं समझी। जब इसकी थाने में मौजूद पत्रकारों ने पुलिस वालों दी। तब पुलिस वाले महिला को उठाकर उसकी पीड़ा सुनी। उसके बाद तत्काल उसका शिकायती पत्र लेकर उसे अस्पताल भेज दिया। नैनी कोतवाली पुलिस की संवेदनहीनता पर लोगों ने नाराजगी भी जताई।

महिला को घर में बंद करके पीटा था

नैनी। कोतवाली अंतर्गत अरैल चौकी क्षेत्र के सुढियाभीट गांव की रहने वाली पूजा तिवारी पतने बबलू तिवारी के मुताबिक उसका 11 साल का बेटा है। जिसे पड़ोस की रहने वाली सीमा तिवारी पतने गेंदालाल तिवारी का बेटा रोज मारता-पीटता है और गाली-गलौज करता है। गुरुवार दोपहर करीब ढाई बजे सीमा के बेटे ने फिर से निखिल को पीटा। निखिल जब रोते हुए घर पहुंचा तो पूजा इसकी शिकायत लेकर सीमा के घर चली गई। आरोप है कि वहां सीमा ने उसे कमरे में बंद कर लिया। उसके बाद उसके बेटे शेरू, पति गेंदा तिवारी और छोटू तिवारी ने मिलकर पूजा को लाठी-डंडों से पीटना शुरू कर दिया।

सूचना के बाद भी नहीं पहुंची पुलिस तो नैनी कोतवाली पहुंची थी

नैनी। घटनास्थल से ही डायल-112 को सूचना दी गई, लेकिन पुलिसवाले नहीं पहुंचे तो पूजा तिवारी अपने ससुर और मासूम बेटे के साथ नैनी कोतवाली पहुंची। जहां गेट पर पहुंचते ही वह बेहोश होकर गिर गई। जिसे इलाज के लिए सीएचसी चाका भेज दिया गया। इंस्पेक्टर नैनी सुजीत कुमार दुबे ने बताया कि पारिवारिक विवाद था। महिला को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

स्वागत समारोह में प्रधान ने गांव के विकास का लिया संकल्प

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। गुरुवार के दिन प्राथमिक विद्यालय पवंरीमें आयोजित स्वागत समारोह में ग्राम सभा के नवनिर्वाचित प्रधान एवं

सदस्यों तथा गांव के संभ्रांत लोगों का स्वागत प्रधानाध्यापक सुरेश त्रिपाठी एवं सहायक अध्यापकों द्वारा किया गया। सर्वप्रथम नवनिर्वाचित प्रधान कौशलेश कुमार यादव जी का प्रधानाध्यापक सुरेश त्रिपाठी द्वारामाल्यार्पण कर स्वागत किया गया उसके पश्चात सहायक अध्यापक प्रदीप कुमार यादव, शाइस्ता वहीद, विजय बहादुर सिंह ,ज्योति सिंह ,भगवान दीन रतनकर एवं दुर्गा देवी के द्वारा रोजगार सेवक राजेश सिंह, एवं पूर्व सचिव सर्वजीत यादव जी के साथ सम्मानित सदस्य गणो,में राम लखन आदिवासी ,ब्रह्मानंद यादव, छब्बू लाल यादव ,वीरेंद्र विश्वकर्मा ,विजय शंकर पांडे ,राकेश कुमार , आशीष कुमार, लवकुश यादव ,राजेंद्र प्रसाद बिंद, उमेश कुमार आदिवासी, लकी यादव का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया।

सबका साथ सबका विकास ही भाजपा का मूल उद्देश्य : विपेन्द्र सिंह

अखंड भारत संदेश

फूलपुर। भाजपा सरकार में बिना किसी भेदभाव के सबका विकास हो रहा है। भाजपा की बढ़ती लोकप्रियता से विरोधी पाटिऱ्यों में खलबली मची है नतीजतन वो भाजपा पर अनर्गल आरोप लगाते रहते है। उक्त बातें गुरुवार को फूलपुर विकास खण्ड में समर्थकों के साथ प्रमुख पद के नामांकन के पश्चात कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कही।

फूलपुर विकास खंड में ब्लाक प्रमुख के लिए भाजपा प्रत्याशी विपेन्द्र पटेल के पर्चा दाखिल के दौरान बड़ी संख्या में भाजपा नेता एवं क्षेत्र पंचायत सदस्यों के साथ ही भारी संख्या में समर्थक शामिल रहे। गुरुवार दोपहर विपेन्द्र सिंह पटेल का जुलूस ढोकरी गांव से निकल कर ब्लाक मुख्यालय पहुंचा। नामांकन पत्र जमा करने के बाद जुलूस कोडापुर गांव स्थित समाज सेवी श्याम बाबू गुप्ता के आवास पर पहुंचते ही एक सभा

में तब्दील हो गया ।

सभा को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के वरिष्ठ नेता व काशी क्षेत्र के उपाध्यक्ष अमरनाथ यादव ने कहा कि भाजपा के शासन काल में बिना किसी भेद भाव के सभी का विकास हो रहा है शहरों से लेकर गांवों तक झुग्गी झोपडी वाले हर गरीबों एवं जरूरतमंदों को निःशुल्क गैस कनेक्शन दिया गया। गरीबों को आवास दिया जा रहा है। वहीं ब्लाक प्रमुख पद के प्रत्यशी बिपेन्द्र सिंह पटेल ने कहा कि क्षेत्र की जनता ने जो भरोसा जताकर निर्विरोध क्षेत्र पंचायत सदस्य बनाने के साथ ही बड़ी संख्या में क्षेत्र पंचायत सदस्यों सहित क्षेत्र की जनता का सहयोग मिला वह अतुलनीय है। क्षेत्र पंचायत निधि से जो भी काम सम्भव होगा उसे पूरा कराया जाएगा। सभा में फूलपुर विधायक प्रवीण पटेल ने पहुंचकर अपना आशीर्वाद दिए। सभा को अनिल मौर्य,कमलेश मिश्र,विजय लक्ष्मी सिंह चंदेल,आशा देवी पटेल,श्याम बाबू गुप्ता,विवेक सिंह,आलोक गुप्ता,रोहित केसरी,चंद्र जीत यादव,अनीता सिंह,भाजपा नेता बीडी सिंह ने भी सम्बोधित किया। इस मौके पर अमर सिंह पटेल,सुभाष चंद्र पटेल,अजय सिंह पटेल,आनंद सिंह,अर्जुन सिंह,मोनू गुप्ता, पुट्टी लाल गुप्ता,सोनू गुप्ता सहित बड़ी संख्या में क्षेत्र पंचायत सदस्य सहित समर्थक मौजूद रहे।

ब्लॉक उरुवा में नामांकन के दौरान डीएम व एसएसपी ने किया निरीक्षण

अखंड भारत संदेश

सिरसा/मेजा। प्रयागराज जनपद विधानसभा मेजा ब्लाक उरुवा में ब्लॉक प्रमुख चुनाव को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह से सजग और सतर्क रही। शुक्रवार को नामांकन के दिन ब्लॉक प्रमुख चुनाव के मद्देनजर जिलाधिकारी प्रयागराज संजय कुमार खत्री, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रयागराज सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी ने आला अधिकारियों के साथ उरुवा ब्लॉक का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने सीसीटीवी कैमरे के अंतर्गत चुनाव प्रक्रिया कराए जाने का निर्देश दिया।और कहा कि किसी भी प्रकार की कोई कोताही या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।?सभी कर्मचारी अपने कार्य को ईमानदारी और समझदारी से करना होगा कहि कोई गड़बड़ी होती है तो तुरन्त अपने अधिकारी को सूचित करें। इस मौके पर उप जिलाधिकारी मेजा रेनू सिंह, वीडियो सपना अवस्थी, एडीओ पंचायत रमाकांत पांडे, एडीओ कोआपरेटिव कामराज जायसवाल सहित ब्लॉक के अधिकारी मौजूद रहे।

लाइन बनाने गए संविदा कर्मचारियों को दबंगों ने जमकर पीटा

अखंड भारत संदेश

नैनी। कोतवाली क्षेत्र की तिगनौता गांव में बीती रात लाइन बनाने गए विद्युत कर्मचारियों को दबंगों ने जमकर पिटाई कर दिए। जिससे वह जख्मी हो गए। मामले की तहरीर कोतवाली में दी गई है। जानकारी के मुताबिक नैनी कोतवाली क्षेत्र स्थित इंदलपुर उपकेंद्र से जुड़े तिगनौता गांव बिजली आपूर्ति मुहैया कराई जाती है। सोमवार रात लगभग 10:30 बजे अचानक उक्त गांव की बिजली आपूर्ति ठप हो गई। सूचना मिलने पर कर्मचारी वहां पर पहुंचे और मौजूद लोगों से कहा कि मडोका रोड पर बिजली मरम्मत कार्य का काम चल रहा है।

वहां से सीढ़ी आदि उपकरण लेकर आते हैं। जब दोबारा कर्मचारी वहां पर पहुंचे तो उसी गांव के रहने वाले अकरम नामक व्यक्ति ने बिजली मरम्मत कार्य करने गए संविदा लाइनमैन राकेश कुमार से कहासुनी करने लगा। जब बिजली कर्मचारियों ने विरोध किया तो उसने राकेश कुमार की जमकर पिटाई कर दी। जिससे वह जख्मी हो गया। कर्मचारी बिना लाइन बनाए ही वापस लौट आए और दबंगों की वजह से घटित वारदात से विद्युत कर्मचारियों में भारी रोष व्याप्त हो गया। मंगलवार सुबह संबंधित अधिकारियों को मामले से अवगत कराया गया। जिस पर संविदा लाइनमैन राकेश कुमार ने आरोपी के खिलाफ नामजद तहरीर कोतवाली में दी है।

अंखड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं.

UPHIN 2001/9025

कायाकल्प घोटाला

सचिवालय भवन को तीन प्रधानों ने कागजों पर संवारा

वर्तमान प्रधान ने जताया खेद, साशन से की शिकायत,पूर्व प्रधान और सचिवों से रिकवरी की मांग

अब बारी आई जमीनी स्तर पर सजने संवरने की

अखंड भारत संदेश

यमुनापार/प्रयागराज। ग्राम पंचायतों में कायाकल्प के नाम पर जिम्मेदारों ने काफी घोटाला किया है। कई ऐसे महत्व पूर्ण कार्य योजनाएं, प्रोजेक्ट है जिन्हे सिर्फ और सिर्फ कागजों पर ही निर्मित किया गया है।बता दें कि कोरांव ब्लाक के ग्राम पंचायत अल्हवा में पंचायत भवन नहीं था। जिसे तत्तकालीन प्रधान अजीज अहमद सिद्दीकी ने वर्ष दो हजार पांच में नया सचिवालय भवन की स्थापना दौड़ धूप कर कराई थी। और सजाया संवारा था। उसके बाद पांच साल राजेश जायसवाल ने उसकी कागजों पर मरम्मती करण दिखाई। वर्ष दो हजार पंद्रह में जयराजी देवी पटेल ने पांच साल में मरम्मती करण कराई। अब जा कर वर्तमान प्रधान अहद अहमद सिद्दीकी उर्फ शहजादे को जनता ने प्रधान चुन लिया। इन्होंने जमीनी स्तर पर सचिवालय भवन को काया कल्प कराना शुरू कर दिया। जिससे गांव में तरह तरह की चर्चाएं है। श्री शहजादे प्रधान ने सरकार व प्रशासन स्तर पर शिकायत कर दी। प्रधान ने कहा कि यही ग्राम सचिवालय भवन गांव का मुख्यालय है। जो ग्राम पंचायत के सारे कार्य विकास क्रियान्वयन होता है। उसे संवारना अति आवश्यक है। प्रधान के अनुसार तकरीबन उक्त भवन और बाउंड्री वाल गेट तथा खिड़की दरवाजे रिपेयरिंग साजो सज्जा आदि में करीब छ या सात लाख की लागत आएगी। किसी तरह कायाकल्प करना होगा।

सचिवालय भवन के मरम्मती करण के पूर्व सचिव,ग्रामीण अभियंत्रण सेवा विभाग के अवर अभियंता,आदि ने प्राक्कलन तैयार कर ब्लाक के सम्बन्धित अधिकारियों से स्वीकृति ले कर मरम्मती करण

अहद अहमद सिद्दीकी उर्फ शहजादे
ग्राम प्रधान अल्हवा कोरांव

का कार्य तीव्र गति से शुरू कर दिया गया।मेरा प्रयास होगा कि सचिवालय भवन मरम्मती करण कराकर जनता को समर्पित करूं।जिससे ग्राम पंचायत के सारे कार्य,क्रियान्वयन,बैठकें कार्य योजनाएं वहीं से संचालित हो।

घर से आर्ट की कापी खरीदने निकली छात्रा लापता, परिजन परेशान

शंकरगढ़/प्रयागराज। शहर के एक नामी स्कूल में पढ़ने वाली 14 साल की किशोरी अचानक लापता हो गई है। वह मंगलवार को घर से शाम 7:30 बजे आर्ट की कॉपी खरीदने के लिए 10 रुपये लेकर निकली थी। बेटी के गायब होने से परेशान मां मां-बाप पुलिस की शरण में पहुंचे उनकी एफआईआर तो दर्ज हो गई लेकिन अभी तक बेटी का कुछ पता नहीं चल पाया है।अनहोनी की आशंका से पूरा परिवार डरा सहमा है।

प्रयागराज जनपद के शंकरगढ़ थाना अंतर्गत वार्ड नंबर 3 टाउन एरिया निवासी अजय केसरवानी उर्फ पिंटू आटा चक्की चलाते हैं। उनके तीन बेटियां हैं। सबसे छोटी बेटी यशी केशरवानी 14 वर्ष प्रयागराज शहर के रामबाग स्थित एक नामी स्कूल में आठवीं कक्षा की छात्रा है। लॉकडाउन से पहले वह शहर में रह कर पढ़ाई करती थी।लॉक डाउन के बाद से वह अपने घर शंकरगढ़ में रह रही थी। पिता अजय केसरवानी के मुताबिक यशी मंगलवार की शाम 7:00 बजे मां से 10 रुपये लेकर के आर्ट की कॉपी खरीदने निकली थी।

सम्पादकीय

इशारों को अगर समझो

तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा के 86वें जन्मदिन के मौके पर न केवल प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें सार्वजनिक तौर पर बधाई दी, बल्कि अरुणाचल प्रदेश और सिक्कम जैसे चीनी सीमा से सटे राज्यों समेत सात राज्यों के मुख्यमंत्रियों और कई केंद्रीय मंत्रियों ने बधाई संदेशों के जरिए उनका अभिनंदन किया। बीते एक सप्ताह में भारत ने चीन को जो तीन बेहद कड़े संदेश दिए हैं, उनकी अहमियत कूटनीतिक जगत में छुपी नहीं रह सकती। इस महीने की एक तारीख को जब चीन की कम्युनिस्ट पार्टी अपनी स्थापना के सौ साल पूरे करने के मौके को धूमधाम से सेलिब्रेट कर रही थी, पड़ोसी देश भारत ने उसे पूरी तरह अनदेखा कर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तो दूर किसी भी केंद्रीय मंत्री, बड़े नेता या प्रमुख राजनीतिक दल ने चीन को बधाई देने की जरूरत महसूस नहीं की। इस सांकेतिक चुप्पी को जो लोग संयोग मानकर चल रहे थे, उनके लिए दूसरा गहरा संदेश इसके तीन दिन बाद आया जब 4 जुलाई को अमेरिकी स्वाधीनता दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति जो बाइडन को बाकायदा ट्वीट करते हुए बधाई दी। इसके भी तीन दिन बाद 7 जुलाई को तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा के 86वें जन्मदिन के मौके पर न केवल प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें सार्वजनिक तौर पर बधाई दी, बल्कि अरुणाचल प्रदेश और सिक्कम जैसे चीनी सीमा से सटे राज्यों समेत सात राज्यों के मुख्यमंत्रियों और कई केंद्रीय मंत्रियों ने बधाई संदेशों के जरिए उनका अभिनंदन किया। यह पहला मौका है जब मोदी ने दलाई लामा को सार्वजनिक तौर पर जन्मदिन की बधाई दी है।

साल 2015 में दलाई लामा ने मोदी को जन्मदिन की बधाई दी थी, जिस पर उन्होंने उनके प्रति आभार जताया था। मगर इसके बाद चीन की इस मामले में अतिरिक्त संवेदनशीलता को देखते हुए सरकार ने थोड़ी सावधानी बरतना ठीक समझा। साल 2018 में दोनों पक्षों में यह सहमति भी बनी थी कि दोनों देश एक-दूसरे की संवेदनाओं, हितों और चिंताओं का सम्मान करेंगे और आपसी असहमतियां सार्वजनिक रूप से नहीं दर्शाएंगे। लेकिन चीन ने अंतरराष्ट्रीय सीमा से जुड़े विवादों पर और चीन-पाकिस्तान इकॉनमिक कॉरिडोर, जम्मू कश्मीर के स्टेटस आदि मसलों पर भारतीय संवेदनाओं, हितों और चिंताओं के प्रति जिस तरह का रवैया दिखाया, उसके बाद भारत का अपने रुख पर पुनर्विचार करना जरूरी हो गया था। ध्यान रहे कि भारत के इस बदले रुख की अहमियत इस बात में भी है कि यह ऐसे समय सामने आया है, जब दलाई लामा के उत्तराधिकारी की तलाश का मुद्दा गरमा रहा है। चीन की पूरी कोशिश है कि नए दलाई लामा के चयन की प्रक्रिया पूरी तरह उसके नियंत्रण में रहे। दूसरी ओर अमेरिका ने साफ कर दिया है कि दलाई लामा का चयन तिब्बतियों का मामला है और यह काम पूरी तरह से उन्हीं पर छोड़ा जाना चाहिए। भारत ने अब तक इस मामले में अपना रुख साफ नहीं किया था। उसके ताजा संकेतों ने दुनिया भर में फैले तिब्बती समुदाय के बीच खुशी की लहर तो दौड़ाई ही है, यह भी साफ किया है कि सीमा पर दुश्मनीपूर्ण संबंध और आपसी विवादों पर अडि़यल रुख चीन के लिए भी कई स्तरों पर नुकसानदेह हो सकता है।

भागवत का उद्बोधन साझा संस्कृति पर बल देता है, इसका विरोध करना ठीक नहीं

ललित गर्ग

बेहद दुखद है कि दुनिया के सबसे बड़े गैर राजनैतिक संगठन के प्रमुख मोहन भागवत जब हिंदू-मुस्लिम एकता पर जोर दे रहे हैं, तब कुछ नेता इसके लिए अतिरिक्त कोशिश कर रहे हैं कि हमारा समाज एकजुटता-सद्भावना की ऐसी बातों पर ध्यान न दे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने संघ से जुड़े पूर्वाग्रहों को दूर करते हुए कहा है कि संघ भले हिन्दुओं का संगठन है, लेकिन वह दूसरे धर्म वालों से नफरत नहीं करता। सभी भारतीयों का डीएनए एक है, के कथन को लेकर विभिन्न राजनीतिक दलों के आपत्ति एवं असहमति के स्वर राष्ट्रीय एकता की बड़ी बाधा है। अनेकता में एकता भारतीय संस्कृति का आदर्श रहा है। यहां अनेक धर्म, संप्रदाय, जाति, वर्ण, प्रांत एवं राजनैतिक पार्टियां हैं, भिन्नता और अनेकता होने मात्र से सांस्कृतिक एवं राष्ट्रीय एकता को विघटित नहीं किया जा सकता। निश्चित ही मेवाड़ विश्वविद्यालय में दिया गया मोहन भागवत का उद्बोधन देश की एकता को बल देने का माध्यम बनेगा, देश के सांस्कृतिक एवं राष्ट्रीय परिवेश को एक नया मोड़ देगा। यह एक दिशासूचक बना है, गिरजे पर लगा दिशा-सूचक नहीं, यह तो जिधर की हवा होती है उधर ही घूम जाता है। यह कुतुबनुमा है, जो हर स्थिति में सही दिशा एवं दृष्टि को उजागर करता रहेगा। विभिन्न जाति, धर्म, भाषा, वर्ग के लोगों का एक साथ रहना भारतीय लोकतंत्र का सौन्दर्य है, राजनीतिक स्वार्थी के चलते इस सौन्दर्य को नुकसान पहुंचाना राष्ट्रीय एकता को खंडित करता है। भिन्नताओं का लोप कर सबको एक कर देना असंभव है। ऐसी एकता में विकास के द्वार भी अवरुद्ध हो जाते हैं। लेकिन अनेकता भी वही कीमती है, जो हमारी मौलिक एवं राष्ट्रीय एकता को किसी प्रकार का खतरा पैदा न करे। जैसे एक वृक्ष की अनेक शाखाओं की भांति एक राष्ट्र के अनेक प्रांत हो सकते हैं, उसमें अनेक जाति एवं धर्म के लोग रह सकते हैं, पर उनका विकास राष्ट्रीयता की जड़ से जुड़कर रहने में है, जब भेद में अभेद को मूल्य देने की बात व्यावहारिक बनेगी, उसी दिन राष्ट्रीय एकता की सम्यक् परिणति होगी और उसी दिन भारत अखंड बनेगा।

मोहन भागवत ने कहा कि अगर कोई हिंदू कहता है कि यहां कोई मुसलमान नहीं रहना चाहिए, तो वह व्यक्ति हिंदू नहीं है। गाय एक पवित्र जानवर है लेकिन जो लोग दूसरों को मार रहे हैं वे हिंदुत्व के खिलाफ जा रहे हैं। कानून को बिना किसी पक्षपात के उनके खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। हिंदू-मुस्लिम एकता शब्द ही भ्रामक है। हिंदू-मुस्लिम अलग हैं ही नहीं, हमेशा से एक हैं। जब लोग दोनों को अलग मानते हैं तभी संकट खड़ा होता है। हमारी श्रद्धा आकार और निराकार दोनों में समान है। हम मातृभूमि से प्रेम करते हैं क्योंकि ये यहां रहने वाले हर एक व्यक्ति को पालती आई है और पाल रही है। जनसंख्या के लिहाज से भविष्य में खतरा है, उसे ठीक करना पड़ेगा। भारत को यदि विश्वगुरु बनाना है तो अल्पसंख्यक-बहुसंख्यक की शब्दों की लड़ाई में नहीं पड़ना होगा। अल्पसंख्यकों के मन में यह बिठाया गया है कि हिंदू उनको खा जाएंगे। अब समय आ गया है कि मुस्लिम समाज आंखों से पट्टी हटाए और सबको गले लगाए। कट्टरता को छोड़कर आपसी भाई-चारे की राह अपनाए। यही एक आदर्श स्थिति की स्थापना है और इसी के प्रयास में संघ जुटा है। संघ सिर्फ राष्ट्रवाद के लिए काम करता है। राजनीति स्वयंसेवकों का काम नहीं है। संघ जोड़ने का काम करता है, जबकि राजनीति तोड़ने का हथियार बन जाती है। राजनीति की वजह से ही हिंदू-मुस्लिम एक नहीं हो सके हैं। बेहद दुखद है कि दुनिया के सबसे बड़े गैर राजनैतिक संगठन के प्रमुख मोहन भागवत जब हिंदू-मुस्लिम एकता पर जोर दे रहे हैं, तब कुछ नेता इसके लिए अतिरिक्त कोशिश कर रहे हैं कि हमारा समाज एकजुटता-सद्भावना की ऐसी बातों पर ध्यान न दे। इस कोशिश से यही प्रकट हुआ कि कुछ लोगों की दिलचस्पी इसमें है कि हिंदू-मुस्लिम के बीच की दूरी खत्म न हो। इस संदर्भ में संघ प्रमुख ने यह सही कहा कि हिंदू-

मुस्लिम एकता की बातें इस अर्थ में भ्रामक हैं, क्योंकि वे तो पहले से ही एकजुट हैं और उन्हें अलग-अलग देखना सही नहीं। कायदे से इसका स्वागत करते हुए अपने-अपने स्तर पर ऐसी कोशिश की जानी चाहिए कि भारतीय समाज एकजुट हो और उसके बीच जो भी वैमनस्य है, जो भी दूरियां हैं, वह खत्म हो। निःसंदेह कुछ लोग ऐसा नहीं होने देना चाहते और इसीलिए किसी ने संघ की कथनी-करनी में अंतर का उल्लेख किया तो किसी ने भीड़ की हिंसा का जिक्र। विडम्बनापूर्ण है कि अपने देश में इस तरह की सीधी-सच्ची एवं आदर्श की बात पर भी सस्ती राजनीति की जा रही है, इसका उदाहरण है भागवत के इस प्रेरक एवं क्रांतिकारी उद्बोधन पर आपत्ति और असहमति भरी प्रतिक्रिया का होना। मायावती और असदुद्दीन ओवैसी से लेकर दिग्विजय सिंह ने जैसी प्रतिक्रिया दी, उससे विरोध के लिए विरोध वाली मानसिकता का ही परिचय मिला। इनमें से किसी ने भी यह समझने की कोशिश नहीं की कि मोहन भागवत अपने इस कथन के जरिये सभी देशवासियों में एकता, साम्प्रदायिक सौहार्द एवं भाईचारे की भावना का संचार करने के साथ यह रेखांकित करना चाह रहे थे कि भारत के लोगों में जाति, मजहब, पूजा-पद्धति की कितनी भी भिन्नता हो, उन्हें यह स्मरण रखना चाहिए कि वे सब इस देश की संतान हैं और सबके पूर्वज एक हैं। इस विचार में ऐसा कुछ भी नहीं कि उस पर आपत्ति जताई जाए। बावजूद इसके किसी-न-किसी बहाने आपत्ति जताई गई और विमर्श को खास दिशा में मोड़ने की कोशिश की गई। इसका मकसद लोगों को गुमराह करना और अपने वोट बैंक को साधने के अलावा और कुछ नहीं नजर आता। ऐसा लगता है कतिपय राजनीतिक दलों की राजनीति एवं उनकी सोच विकृत हैं, उनका व्यवहार झूठा है, चेहरों पर ज्यादा नकाबें ओढ़ रखे हैं, उन्होंने सभी आदर्शों एवं मूल्यों को धराशायी कर दिया है। देश के करोड़ों लोग देश के भविष्य को लेकर चिन्तित हैं। वक्त आ गया है कि देश की साझा संस्कृति, गौरवशाली विरासत को सुरक्षित रखने के लिये भागवत जैसे शिखर व्यक्तियों को भागीरथ प्रयास करने होंगे, दिशाशून्य हुए नेतृत्व के सामने नया मापदण्ड रखना होगा। आज कोई ऐसा नहीं, जो धर्म की विराटता दिखा सके। सम्प्रदायविहीन धर्म को जीकर बता सके। समस्या का समाधान दे सके, विकल्प दे सके। जो कबीर, रहीम, तुलसी, मीरा, रैदास बन सके। एक शुभ शुरुआत भी इसी दृष्टि से होने जा रही है जब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शिखर व्यक्ति एवं मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के मार्गदर्शक डॉ. इंद्रेश कुमार के नेतृत्व में 15 अगस्त 2021 से 15 अगस्त 2022 तक देश के आजादी की 75वीं वर्षगांठ मनाने एवं इस दौरान मुस्लिम संगठनों के साथ मिलकर 500 कार्यक्रमों का आयोजन करने की योजना है। इसके माध्यम से अखंड भारत के लक्ष्य को साधने का प्रयास होगा। मुस्लिम समाज के लोगों को यह समझाया जाएगा कि हमारी पूजा पद्धति भले अलग हो, लेकिन हम सब एक हैं। यही अखंड भारत की परिकल्पना है।

सांप्रदायिक एवं राजनीतिक स्वार्थ के उन्माद में उन्मत्त व्यक्ति कृत्य-अकृत्य के विवेक को खो देता है। इस संदर्भ में भागवत का सापेक्ष चिंतन रहा है। व्यक्ति अपने-अपने मजहब की उपासना में विश्वास करे, इसमें कोई बुराई नहीं, पर जहां एक संप्रदाय के लोग दूसरे संप्रदाय के प्रति द्वेष और घृणा का प्रचार करते हैं, वहां देश की मिट्टी कलंकित होती है, राष्ट्र शक्तिहीन होता है तथा व्यक्ति का मन अपवित्र बनता है। राष्ट्रीय एकता को सबसे बड़ा खतरा उन स्वार्थी राष्ट्र नेताओं से है, जो केवल अपने हित की बात सोचते हैं। देश-सेवा के नाम पर अपना घर भरते हैं, तथा धर्म, संप्रदाय, वर्ग आदि के नाम पर जनता को बांटने का प्रयतन करते हैं। पूरे विश्व को वसुधैव कुटुम्बकम की शिक्षा देने वाला भारत आज इन्हीं ओछी राजनीति करने वालों के कारण अपनों से कटकर दीनहीन होता जा रहा है। राजनीतिक स्वार्थ का दैत्य उसे नचा रहा है। क्या इस देश की मुस्लिम जनता सौहार्द एवं भाईचारे की भूमिका पर खड़ी होकर नहीं सोच सकती दलगत राजनीति और साम्प्रदायिक समस्याओं को उभारने में सक्रिय भूमिका निभाने वाले राजनीतिक दल अपने-अपने दल की सत्ता स्थापित करने के लिए कभी-कभी वे काम कर देते हैं, जो राष्ट्र के हित में नहीं है। सत्ता को हथियाने की स्पर्धा होना अस्वाभाविक नहीं है पर स्पर्धा के वातावरण में जैसे-तैसे बहुमत और सत्ता पाने की दौड़ में राष्ट्रीय एकता को नजरअंदाज करना कैसे औचित्यपूर्ण हो सकता है

अवैध रिश्तों के शक में औरतों पर बेइंतहा जुल्म

मोनिका शर्मा

पिछले दिनों एक खबर आई कि राजस्थान के प्रतापगढ़ में एक महिला को तीन महीने तक लोहे की सांकलों से बांधकर पीटा जाता रहा। पति और बेटे समेत परिवार के पांच लोगों ने उसे बेड़ियों में जकड़ कर रखा था। उन्हें उसके चरित्र पर शक था, जिसके चलते उस महिला के साथ उन्होंने ऐसा व्यवहार किया। मां की देखभाल के लिए पीहर जाने को लेकर पति ने उस पर शक किया। रिश्तों में भरोसे की बुनियाद अब खोखली हो रही है। जीवन भर का साथ कहे जाने वाले रिश्ते में कभी पति का अहम तो कभी वहम औरत का जीना दुश्वार कर देता है। ऐसे ही पिछले दिनों मध्य प्रदेश के धार में बिना बताए रिश्तेदार के यहां जाने के कारण परिजनों ने अपनी दो लड़कियों को सरेआम लाठी-डंडों से जमकर पीटा। इन लड़कियों के पिटने का विडियो इन दिनों खूब वायरल हो रहा है। अपनों के इस व्यवहार की एक वजह लड़कियों का फोन पर बात करना भी है। यह मामला बताता है कि संदेह भरी सोच पिता-भाई को भी बर्बर बना देती है। वहमी सोच के चलते मारपीट, हत्या, एसिड अटैक और यहां तक कि ऑनर किलिंग जैसे मामले भी आए दिन अखबारों की सुर्खियां बनते

है। दुख की बात यह भी है कि शक्की सोच के इस संक्रमण के चलते अशिक्षित घरों में ही नहीं, उच्च शिक्षित परिवारों में भी सजा देने के नाम पर औरतों के साथ बर्बरता के ढेरों वाकए सामने आ चुके हैं। किरदार पर शक भर किए जाने की बदौलत किसी महिला को सजा दिए जाने के फैसले तो बाकायदा पंचायतों में सुनाए गए है। अफसोस है कि महानगरों से लेकर गांवों-कस्बों तक अपनों की शक्की सोच के चलते महिलाओं के सामने कभी स्कूल, नौकरी और कभी-कभी घर तक छोड़ने के हालात बन जाते हैं। कमोबेश हर उम्र, हर तबके की महिलाएं अपनों के वहम की बेड़ियों में जकड़ी हैं, जबकि सुरक्षा, सम्मान और विश्वास का भाव सबसे ज्यादा घर और अपनों से ही जुड़ा होता है। मगर ऐसे वाकए बताते हैं कि परिवार, जीवनसाथी और समाज की महिलाओं को लेकर जो सोच है, उसके कितने भयावह पहलू है। आए दिन सामने आने वाली ऐसी घटनाओं के चलते साथ, सहयोग और आपसी समझ की सोच हर मोर्चे पर जंजीरों में बंधी दिखती है। बदलाव के नाम पर कुछ बदलता नजर नहीं आता। बंधी-बंधाई मानसिकता का ही तो नतीजा है कि प्रतापगढ़ में महज चरित्र पर शक की वजह से उस महिला को यूं सांकलों में बांधकर पीटा गया और पीटने वालों में उसका बेटा भी शामिल था।

पिछले कुछ वर्षों में सामने आए आंकड़ों के मुताबिक, अधिकतर मामलों में अवैध संबंधों को लेकर शक किया जाता है। हॉटस्टार के 'आउट ऑफ लव' सर्वे के अनुसार, शादीशुदा जोड़ों में असुरक्षा की भावना बढ़ी है। सर्वे बताता है कि 45 फीसदी भारतीय गोपनीय तरीके से अपने साथी के फोन की जांच करना चाहते हैं और 55 प्रतिशत पहले ही ऐसा कर चुके हैं। पुरातनपंथी सोच के ताने-बाने के साथ तकनीक ने भी मुश्किलें बढ़ा दी हैं। बीते साल राजस्थान में एक शख्स ने शक के कारण अपनी पत्नी की जान ले ली। जांच में पता चला कि मृतक पतने सोशल मीडिया पर बहुत सक्रिय थी, फेसबुक पर उसके करीब 6 हजार फॉलोअर्स थे। वर्चुअल दुनिया में मौजूदगी के कारण पति अपनी पत्नी के चरित्र पर संदेह करने लगा और उसकी हत्या कर दी। संदेही सोच के साथ जुड़े सामंतवादी रवैये का ही परिणाम है कि शक भर होने से किसी महिला को डायन बताकर उसकी जान ले ली जाती है। पुरातन सोच वाले समाज से लेकर प्रोग्रेसिव विचारों के परिवेश तक, स्त्रियों के लिए मुसीबतें बरकरार हैं। कहने को बीते डेढ़ साल की विपदा ने एक-दूजे का साथ देने का पाठ पढ़ाया है, लेकिन एक औरत का अपनी ही अकेली मां की देखभाल करने जाना भी बेड़ियों में जकड़े जाने जैसी गलती बन गया। बेटियों का फोन पर बात करना लाठी-डंडों से उनकी बर्बर पिटाई की वजह हो गया। वजह संदेह भरी सोच, जिसका इलाज अगर कुछ है तो यह कि पुरुषवादी सोच बदलनी चाहिए।

बरसात की तबाही को आपदा के अवसर में बदलिए

अशोक मधुप

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना महामारी के शुरू होते नारा दिया था, आपदा को अवसर में बदलिए। इस पर काम भी हुआ आज काफी सामग्री देश में ही बनाई जा रही है, हमने बहुत कर लिया, किंतु आजादी के लगभग 74 साल के बाद भी हम मानसून को, बरसात के आगमन को अवसर में नहीं बदल पाए। इसका लाभ नहीं ले पाए। कोरोना महामारी आजादी के बाद पहली बार आई। इसे हमने अवसर में बदला। जरूरत के सामान बनाए। मास्क बनाए। पीईपी किट बनाई। सेनेटाईजर बनाए। वैंटीलेकर बनाए । इस आपादा में हमने रोजगार के अवसर पैदा किए। अब तक जो सामान अन्य देश से आता था, वह काफी हमारे यहां ही बनने लगा। प्रत्येक साल आने वाले मानसून की तबाही को देखते हुए , ऐसा नहीं किया जा सका।

हम इसका लाभ नहीं उठा सके। इस आपदा को अवसर में नहीं बदल सके।इसके लाभ उठाने के लिए योजनाएं बनाई किंतु उनको सही ढंग से लागू नही कर सके।अधिकतर योजनाओं पर तो हम अमल करना ही भूल गए। इन नदियों के प्रबंधन के लिए तैनात अधिकारियों की रूचि अपने कार्य में जनहित देखना कम है, लाभ देखना ज्यादा। इसीलिए बार -बार तबाही आ रही है।ये आपदा रोकने के लिए पहले वाली योजनाएं नही बनाते।बनाते हैं तो सही से लागू नहीं करते। ये आपदा आने के बाद की योजनाएं बनाते हैं।इनका पूरा ध्यान बाद की योजनाओं पर होता है ।इनमें इन्हें ज्यादा लाभ नजर आता है। दूसरा ये हर वर्ष आती भी हैं। इसी का परिणाम है कि मानसून जब आता है, तो आपदा लेकर आता है, जल प्रलय लाता है।विनाश लेकर आता है।और हम इसे रोक नहीं पाते। असहाय बने तमाशा देखते रह जातें हैं। हमने नदी के रास्तों पर कब्जे कर मकान बना लिए ।कॉलोनी बना लीं ।तालाब बंद कर दिए । तालाब प्रकृति प्रदत्त होते हैं। इस तरह से बने हैं कि क्षेत्र का सारा पानी इनमें आ जाए।तालाब के चारों साइड में इस तरह ढाल बना होता है, कि क्षेत्र का सारा पानी इनमें आता है।इन्हें हमने बंद कर दिया।इनकी जगह बड़े- बड़े भवन बनाकर खड़े कर दिए। झीलों पर कब्जे कर लिए। इसी का परिणाम है कि हर साल जब मानसून आता है, तक जलप्रलय लाता है। विनाश लाता है।काश हमने नदियों को आराम से बहने दिया होता। झरने को गुनगुनाने दिया होता। झील को मदस्त हो विचरने दिया होता। तो ये तबाही के मंजर हमारे सामने न आते,जिन्हें हम आज देख रहे हैं।

हर साल मानसून में नदियों में पानी के साथ सिल्ट, पत्थर ,रेत आता है। यह धीरे - धीरे एकत्र होता जाता है। इससे नदियों के बहाव की क्षमता कम हो जाती है।मानसून में बारिश होने पर ये नदियां उफन कर तबाही लाती हैं।धन संपदा को नुकसान पहुंचाती हैं। जरूरत है कि बरसात के बाद हम नदियों की पाट (मेन स्ट्रीम)की वैज्ञानिक आधार पर सफाई कराए। उनके पाट को गहरा करें। ऐसा करने से बरसात में नदियों के उफनने को बहुत कम किया जा सकता है। नदियों से निकले पत्थर और रेत को नीलाम करके लाभ ले सकतें हैं। होता यह है कि नदियों की सफाई के लिए हम लोगों को ठेके दे देतें हैं।ये लोग ,ये कंपनी निर्धारित स्थान पर कार्य न कर नदियों के किनारे पर खनन करतीं हैं। नदियों के पाट से निकासी में ज्यादा व्यय होता। ये संबधित अधिकारियों से मिलकर अनियोजित ढंग से काम कर नदियों के किनारे चीरती हैं।अपने लाभ के निर्धारित मात्रा से ज्यादा गहराई तक खनन करती हैं। इस खदान से नदियों के लाभ न होकर नुकसान ज्यादा होता है।उनकी धार की जगह में मिट्टी , रेत और पत्थर पहले की ही तरह भरे रहतें हैं।जहां खनन हुआ, उससे वन्य प्राणियों के प्राकृतिक आवास खत्म होतें हैं। गलत खनन से अगले साल आया पानी मुख्य धार में न जाकर नदियों के किनारे काटता है।पहले से ज्यादा विनाश लाता है। नदियों की सीम निर्धारित करें। उसके किनारे सड़क बनाए। इससे जमीन का कटाव रूकेगा। यातायात सुगम होगा।

हम नदियों से उसके आसपास रहने वालों को जोड़े।नदियों के किनारे पेड़ लगाए जो नदियों का कटान रोकें। ऐसे पेड़ लगाएं, जो आसपास के ग्रामवासियों की आय का साधन बने।औषधि वाले पेड़ उगाएं। इनके परंपरागत कुटीर उद्योग को विकसित करने में मदद करें।नदियों के किनारे रहने वाले ये वे केवट हैं जो वन जाते भगवान राम को नदी पार कराते हैं। आश्रय देते हैं। भगवान राम से नगरवासियों सहित मिलने से आ रहे भरत को देखकर भगवान राम की सुरक्षा को लेकर चिंतित हो जाते हैं। ये मान लेते हैं भारत भगवान राम पर हमला करने आ रहे हैं।और ये भरत से युद्ध करने को तैयार हो जातें हैं। नदियों के किनारे रहने वाले नदियों के सुरक्षा प्रहरी हैं। नदी इनकी मां से ज्यादा है। उसकी सुरक्षा , देखरेख इन्हें सौंपिए। इन्हें आर्थिक रूप से संपनन बनाइये। हमने स्वार्थ के लिए नदी किनारे के उत्पाद के व्यवसायियों को ठेके दे दिए।इन धन कमाने वालों की रूचि नदियों के जिंदा रहने में कम , उसके दौहन में ज्यादा है। इसे रोकिए। ये आर्थिक रूप से संपनन होंगे तो देश संपनन होगा। शहरों की जल निकासी की योजनाएं न हम सही तरीके से बना रहे हैं।बना रहे हैं तो उन्हें ठीक से लागू नहीं कर रहे।जनप्रतिनिधियों की रूचि,नाले बनाने में नहीं हैं, क्योंकि वह दीखती नहीं। उसका राजनैतिक लाभ उन्हें नहीं मिलता। उनकी रूचि सड़क बनाने में हैं, जो दीखतीं हैं।बरसात से आने वाली विपदा को तो वह सीजनल, कुछ समय की मानते हैं।

कहते हैं कि अब बरसात होती ही कितनी है।इसी कारण बरसात आती है। पानी भरता है। शोर मचता है। कुछ कृषि वैज्ञानिक सुझाव दे रहे हैं कि शहरों के जल निकासी के नाले शहर में चारों ओर रिंग रोड की तरह बनाएं। इन्हें आपस में जोड़े। इनका पानी कृषि से लिए ज्यादा लाभकारी है, इसे किसानों को दें।उन्हें इस पानी से कृषि करने के लिए प्रेरित करें।इससे फल और सब्जी हमें ज्यादा और गुणवत्तापूर्ण मिलेंगी। वैसे शहर के इन नालों की सफाई का ध्यान हमें बरसात आने से कुछ ही पूर्व आता है। जब तक ठेके आदि होते हैं, तक तक तबाही आ चुकी होती है। नालों और सीवरेज की सफाई हम बरसात के तुरंत बाद और बरसात आने से कुछ पहले क्यों नहीं पूरी कर लेते।इससे निकली मिट्टी और कचरे को खाद के रूप में प्रयोग कर सकतें हैं। काफी तालाबों पर कब्जे हो गए। इसके बावजूद कुछ बचें हैं।कोर्ट के आदेश पर पिछले साल में इन्हें गहरा किया गया। इससे बरसात का पानी इनमें काफी संग्रह होने लगा। कोरोना आपदा काल में शहरों से गांव लौटे श्रमिकों के लिए हमने रोजगार जुटाने के लिए भी इन तालाब पर काम किया।पर हमने इन्हें लाभ के लिए सही से प्रयोग नहीं किया। इनमें हम पानी में होने वाली सब्जी लगा सकते थे। मछली पाल सकते थे। ये भी सुझाव आया है कि ऐसे पाठ्यक्रम बनाए जांए जो ग्रामीण परियोजना पर हो। उसके विकास के रास्ते बताएं। हमारा देश कृषि प्रधान है। युवाओं को ऐसी शिक्षा दें तो ग्राम में लघु कुटीर उद्योग के रास्ते खोले। देश के कई विकास खंड में जलस्तर काफी नीचे चला गया। ये डार्क जोन में आ गए। यदि हम बरसात के जल को सही ढंग से संग्रह करें तो इस समस्या का निदान हो सकता है। बहुत कुछ किया जा सकता है। सोच बदलनी होगी।आपदा में अवसर तलाशने होंगे।

जब अपने नायक दिलीप कुमार से मिलकर अभिभूत थे पाक के पूर्व राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ

विवेक शुक्ला

यह वाकया बीस साल पहले का है। दिन था 15 जुलाई 2001 का। राजधानी में उस दिन कभी तेज तो कभी धीमी रफ्तार से बारिश हो रही थी। राष्ट्रपति भवन में पाकिस्तान के राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ के सम्मान में भोज की मेजबानी भारत के राष्ट्रपति के.आर. नारायणन कर रहे थे। वहां प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और उनकी कैबिनेट के सदस्यों के अलावा देश की अति विशिष्ट शख्सियतें मौजूद थीं। उनमें महान अभिनेता दिलीप कुमार भी थे। दिलीप साहब ने शानदार फॉर्मल सूट पहना हुआ था और सायरा बानो ने बनारसी साड़ी। परंपरा के मुताबिक, भोजन के बाद परवेज मुशर्रफ से तमाम मेहमान मिल रहे थे। जब दिलीप कुमार और सायरा बानो का नंबर आया तो नजारा बिल्कुल अलग था। अपने दोनों हाथों को बांधे मुशर्रफ दिलीप साहब से करीब-करीब झुक कर मिले। उनके चेहरे के भावों से लग रहा था जैसे वह अपने नायक से मिल कर अभिभूत हों।

जैसी स्थिति उनकी थी, वैसी ही उनकी पतने की भी थी। दोनों जोड़ों में तीन-चार मिनट तक बात हुई। इनमें क्या बात हुई सबके मन में यही सवाल था, लेकिन जवाब किसी के पास नहीं था, सिवाय उन चारों के। अगले दिन दिलीप साहब से मिलने कुछ पत्रकार राजधानी के तिलक मार्ग स्थित सागर अपार्टमेंट्स पहुंच गए। वहां उनके परम मित्र सागर सूरी का घर था। दिलीप साहब वहीं ठहरे थे। जब सागर अपार्टमेंट्स बना था तब दिलीप कुमार ने भी वहां फ्लैट लिया था। दिलीप साहब और सागर सूरी में घनिष्ठ संबंध थे। दिलीप साहब को उसी शाम मुंबई के लिए रवाना होना था। लेकिन सागर अपार्टमेंट्स में उनके दोस्तों का तांता लगा हुआ था। बहरहाल, वे हम लोगों से मिलने के लिए आए। पंजाबी में सागर सूरी ने उन्हें कहा कि दिलीप साहब, तूस्सी पंज-सत मिनट गल कर लो एना दे नाल। ए मुंडे वेट करदे पए ने त्वाडा।

दिलीप साहब, आप इनसे पांच-सात मिनट बात कर लो। ये आपका इंतजार कर रहे हैं)। दिलीप कुमार ने सिर हिलाते हुए जवाब दिया- ए ते छोटी जई गल हैगी। (ये तो छोटी सी बात है)। अब दिलीप कुमार हमारे सामने थे। ड्राइंग रूम में बात हो रही थी। वहां से पाकिस्तान के दिल्ली में उच्चायुक्त के निवास का कुछ भाग दिखाई दे रहा था।अत्यंत आकर्षक लग रहे दिलीप साहब मुस्कान बिखेरते हुए पूछने लगे- क्या जानना चाहते हैं इससे पहले कि कोई जवाब देता, वे बताने लगे, 'मुशर्रफ साहब और उनकी बेगम को हमारी कई फिल्में याद हैं। मुशर्रफ साहब को 'मुगले आजम', 'मधुमती' और 'देवदास' खासतौर पर पसंद हैं। उनकी बेगम को 'राम और श्याम' 'शक्ति' और 'दीदार'। हम सबने बहुत दोस्ताना माहौल में बात की। मुशर्रफ साहब कह रहे थे कि आप तो मेरे हीरो हैं।' फिर वे कहने लगे, 'ठीक है। अब इजाजत दें।